प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला–ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
विश्वविद्यालय में डिप्लोमा कोर्स 'डेसी' का समापन समारोह

पंतनगर। 30 अक्टूबर 2025। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय (समेटी–उत्तराखण्ड) द्वारा संचालित 48 सप्ताह का डिप्लोमा कोर्स 'डेसी' का समापन समारोह कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। समारोह में 39 कीटनाशी एवं उर्वरक विक्रेताओं को प्रमाण–पत्र वितरित किया गया। यह डिप्लोमा कोर्स मैनेज हैदराबाद के दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा था। समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि इस कोर्स को करने के बाद आप सभी ज्यादा दक्षता के साथ किसानों को उन्नत तकनीक की जानकारी दे सकेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। वर्तमान में यह नितान्त आवश्यक है कि कृषकों को संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं केवल आवश्यकतानुरूप ही कृषि रक्षा रसायनों के प्रयोग की संस्तुति दी जाये। उन्होंने कहा कि कृषक और आपके बीच ऐसा समन्वयन हो कि वह आप पर पूर्णतया भरोसा करते हुए दवाओं का प्रयोग करें। निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने प्रमाण–पत्र पाये सभी कृषि निवेश वितरकों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि इस कोर्स को करने के बाद कृषक समाज में आपका सेवा करने का दायित्व और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक को किसानों के द्वार तक ले जाने में आपकी भूमिका और भी बढ़ जायेगी। निदेशक शोध डा. एस.के. वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उन्नत बीज और तकनीक हस्तान्तरण में विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ खड़ा रहेगा। समेटी के समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक ने डेसी कोर्स का परिचय, कोर्स की रूप–रेखा, शुल्क, अवधि, इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए विश्वास जताया कि इस कोर्स के पश्चात् प्रत्येक वितरक अपने क्षेत्र में किसानों को उचित मार्गदर्शन देने में महती भूमिका निभायेंगें। उन्होंने कहा कि कृषि सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से सम्पर्क कर सकते हैं। इस बैच के गोल्ड, सिल्वर तथा कांस्य पदक विजेता क्रमशः श्री तरूण बैरागी, सितारगंज श्री ऋषभ पाल, बाजपुर तथा श्री दीपक पाण्डे, शान्तिपुरी रहें।

समारोह के दौरान प्रशिक्षणार्थियों की तरफ से श्री राजीव उप्रेती, जनपद–चम्पावत ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कोर्स के दौरान विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों से वार्ता व अध्ययन करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यहां से अर्जित ज्ञान किसानों की बेहतर सेवा करने हेतु सदैव प्रेरित करता रहेगा। समारोह में डा. संजय चौधरी, प्राध्यापक, डा. निर्मला भट्ट, प्राध्यापक, ज्योति कनवाल एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा।